हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 12 जुलाई 2026

13 पुरानी मतदाता सूचियों में गलतियों से बढ़ी परेशानी

14 छावनी मोहल्ले में धीमी गति से चल रहा नाला निर्माण

खबर संक्षेप

रक्तदान व मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर आज

झज्जर। संस्कारम हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर द्वारा रविवार को शहर में मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉ. महिपाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजन हो रहा है। प्रातः दस बजे से दोपहर बाद करीब तीन बजे तक चलने वाला मेगा शिविर का आयोजन पुराना बस स्टैंड के नजदीक स्थित संस्कारम हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में किया जाएगा। इस दौरान कई तरह की जांच, आवश्यक दवाइयों का वितरण तथा निःशुल्क पंचकर्म थेरेपी की सुविधा शामिल रहेगी। इसके अतिरिक्त नॉर्मल एवं सिजेरियन डिलीवरी की निःशुल्क व्यवस्था भी की गई है।

यूजी द्वितीय-तृतीय वर्ष व पीजी अंतिम वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

बहादुरगढ़। उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा स्नातक (यूजी) द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर पीजी अंतिम के प्रमोटेड विद्यार्थियों के लिए भी प्रवेश पोर्टल खोल दिया गया है। पात्र छात्रों को 24 जुलाई तक बिना लेट फीस के सेकेंड व थर्ड ईयर में प्रमोट किया जाएगा। जबकि 25 से 31 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ तथा एक से 7 अगस्त तक 100 रुपये प्रतिदिन लेट फीस ली जाएगी। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने छात्राओं एवं अभिभावकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की है।

कल मनाएंगे तीसरा अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस

बहादुरगढ़। तीसरा अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस सोमवार को मनाया जाएगा। इंग्लैंड में भारतीय मूल के काउंसलर रोहित अहलावत ने 2 साल पहले इसकी शुरुआत की थी।

तब वेबिनार के माध्यम से यूरोपियन देशों सहित एशिया महाद्वीप के 50 देशों के भारतीय मूल के अप्रवासी नागरिकों ने अपने घरों में चूरमा बनाकर सहभागिता दर्ज करवाई थी। बहादुरगढ़ के सेक्टर-6 निवासी इंग्लैंड के काउंसलर रोहित अहलावत ने बताया कि सोमवार को भारतीय मूल के हजारों लोग अपनी संस्कृति के तहत देश-विदेश में खाओ चूरमा, बनो सूरमा का संदेश देंगे।

स्नातक कोर्स में आवेदन करने का आज आखिरी दिन

5 राजकीय कॉलेजों में 2840 सीटों पर 2800 आवेदन, बीसीए में रुझान ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके के 5 राजकीय कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कुल 2840 सीटों पर शनिवार तक 2800 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उच्च शिक्षा विभाग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 जुलाई तक आवेदनों में ओटीपी बेस्ड संशोधन किया जा सकेगा। इसके अलावा 14 जुलाई को त्रुटियों से संबंधित सूची प्रकाशित होगी।

बता दें कि कॉलेजों में स्नातक कोर्स में प्रवेश को लेकर 7 मई से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हुए थे। यह रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 31 मई तक होनी थी, लेकिन विभाग ने इसे पहले 15 जून, फिर 30 जून और बाद में 12 जुलाई तक बढ़ा दिया था। बहादुरगढ़-बादली के 5 सरकारी कॉलेजों में स्नातक की 2840 सीटें उपलब्ध हैं। बहादुरगढ़ के राजकीय महाविद्यालय में 980 सीटों पर 1436 एप्लीकेशन प्राप्त हुई हैं।

राजकीय महिला महाविद्यालय में 500 सीटों पर 504, छारा के राजकीय महाविद्यालय में 540 सीटों पर 437, जसौरखेड़ी के राजकीय महाविद्यालय में 160 सीटों पर 50 और बादली के राजकीय महाविद्यालय में 660 सीटों पर 373 पंजीकरण हुए हैं। नोडल अधिकारी डॉ. कमल कुमार रंगा के अनुसार ऑनलाइन दस्तावेज सत्यापन 18 जुलाई तक होंगे। इसके बाद 20 जुलाई को पात्र छात्रों की सूची, 21 जुलाई को पहली प्रोविजनल और 22 जुलाई को पहली फाइनल मेरिट सूची जारी होगी। इसके आधार पर 27 जुलाई तक फीस भरके दाखिले सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

> राजकीय कॉलेज बहादुरगढ़ में बीसीए की 60 सीटों पर करीब चार गुना ज्यादा 257 आवेदन आए, वहीं, झज्जर के नेहरू कॉलेज में बीसीए की 80 सीटों पर 298 आवेदन आ चुके हैं

बहादुरगढ़। वैश्य कॉलेज में पंजीकरण करवाने आई एक छात्रा।

कहां कितने आवेदन आए

संकाय	सीट	आवेदन
राजकीय कॉलेज बहादुरगढ़ (980-1436)		
बीए (मॉर्निंग)	320	616
बीए (ईवनिंग)	200	116
बीसीए	60	257
बीबीए	40	142
बीकॉम	180	127
बीएससी लाइफ साइंस	60	108
बीएससी फिजिकल साइंस	120	70
राजकीय महिला कॉलेज (500-504)		
बीए	280	328
बीकॉम	120	61
बीएससी लाइफ साइंस	60	81
बीएससी फिजिकल साइंस	80	34

ग्रामीण क्षेत्र में कम आवेदन

राजकीय महाविद्यालय छारा (540-437)		
बीए	240	285
बीकॉम	60	25
बीएससी लाइफ साइंस	80	46
बीएससी फिजिकल साइंस	80	31
बीए फिजिकल एजुकेशन	80	50
राजकीय कॉलेज बादली (660-373)		
बीए	400	218
बीकॉम	80	27
बीए जिओग्राफी ऑनर्स	40	29
बीएससी लाइफ साइंस	20	42
बीएससी फिजिकल साइंस	80	39
बीएससी केमेस्ट्री ऑनर्स	40	18
राजकीय कॉलेज जसौरखेड़ी (160-49)		
बीए	160	50

नेहरू कॉलेज झज्जर में 1200 सीटों पर 1909 आवेदन आ चुके

झज्जर (हरिभूमि न्यूज)। विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 जुलाई है। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के जनसंचार विभागाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है, वे उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच 18 जुलाई तक होगी। ऑनलाइन जांच के लिए कॉलेज में जाने की जरूरत नहीं है। यदि कोई ऑब्जेक्शन होगा तो एसएमएस से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर सूचना मिल जाएगी। आवेदक को ऑब्जेक्शन दूर करके ऑनलाइन फॉर्म में संशोधन करना होगा। डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में यूजी कक्षाओं की 1200 सीटों के लिए शनिवार शाम तक 1909 आवेदन किए गए हैं। इनमें से बीए की 480 सीटों के लिए 852, बीसीए की 80 सीटों के लिए 298, बीबीए की 80 सीटों के लिए 167, बीकॉम की 140 सीटों के लिए 166, बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों के लिए 159, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीटों के लिए 188 और बीएससी गणित की 40 सीटों के लिए 79 आवेदन किए गए हैं। चार अगस्त से शुरू होगी ओपन काउंसलिंग: डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि पहली और दूसरी मेरिट लिस्ट के दाखिलों के बाद खाली बची सीटों को भरने के लिए ओपन काउंसलिंग चार अगस्त से शुरू होगी। नए आवेदनों के लिए एडमिशन पोर्टल 5 अगस्त से दोबारा खुलेगा तथा 6 अगस्त से 12 अगस्त तक 100 रुपये लेट फीस के साथ दाखिले होंगे। इसके बाद 13 अगस्त से 19 अगस्त तक 100 रुपये लेट फीस के अलावा 100 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त फीस लगेगी।

नागरिक अस्पताल की 15 दिन से लिफ्ट खराब

मरीजों के लिए बनी लिफ्ट बंद होने पर दूसरी लिफ्ट का इंतजार करते हुए लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

स्थानीय नागरिक अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्ट पिछले करीब एक पखवाड़े से खराब है, जिसके चलते रोजाना सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बुजुर्ग, दिव्यांग और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को अस्पताल की ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में परेशानी आ रही है।

अस्पताल की दूसरी मंजिल पर डायलिसिस रूम संचालित है, जहां प्रतिदिन कई मरीज उपचार के लिए आते हैं। लिफ्ट बंद होने के कारण इन मरीजों को सीढ़ियों या रैंप के सहारे ऊपर ले जाना पड़ रहा है। इसके अलावा महिला वार्ड, नेत्र विभाग, दंत रोग तथा कैंसर वार्ड भी ऊपरी मंजिलों पर स्थित हैं, जिसके कारण मरीजों और तीमारदारों को कठिनाई आ रही है। लोगों का कहना है कि पहले लिफ्ट खराब होने पर कुछ ही दिनों में उसे ठीक कर दिया जाता था, लेकिन इस बार पंद्रह दिन से अधिक समय बीतने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। इस संबंध में बॉयोमेडिकल इंजीनियर मृदुला ने बताया कि लिफ्ट का मरम्मत का कार्य जारी है। उम्मीद है कि आगामी एक-दो दिनों में लिफ्ट सुचारू हो जाएगी।

कार की टक्कर से एक्स सर्विसमैन गंभीर

बहादुरगढ़ (हरिभूमि न्यूज)। बेरी-बहादुरगढ़ मार्ग पर गांव टांडाहेड़ी के निकट एक्स सर्विस मैन कार की चपेट में आ गए। उन्हें गंभीर चोट आई है। उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में परिजनों के बयान पर सदर थाना पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल की पहचान सतेंद्र के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गांव टांडाहेड़ी के निवासी सतेंद्र आर्मी से सेवानिवृत्त हैं और फिलहाल दिल्ली के किसी बैंक में जॉब करते हैं। हाल ही में वह अपने घर लौट रहे थे। जब गांव में शराब ठेके के पास पहुंचे तो एक कार की चपेट में आ गए। राहगीरों ने तुरंत उनको संभाला और एक्सीडेंट करने वाली कार में डालकर उन्हें बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत गंभीर थी। इसके बाद परिजनों ने उनको दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती करा दिया। घायल सतेंद्र बयान देने की स्थिति में नहीं थे। इसलिए छोटे भाई रवींद्र सिंह ने पुलिस को शिकायत दी है। वहीं, आरोपी चालक फरार हो गया।

ऑटो मार्केट के पास मियावाकी तकनीक से विकसित होगा जंगल

- 1500 पौधे लगाकर आज से होगी अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इलाके को हरित और पर्यावरण संपन्न बनाने की दिशा में मियावाकी तकनीक से जंगल विकसित किया जाएगा। बाईपास पर ऑटो मार्केट के निकट स्थित साइट पर रविवार को करीब 1500 पौधे लगाकर इस पुनीत कार्य की शुरुआत होगी। पर्यावरण प्रेमियों के अनुसार, मियावाकी पद्धति के तहत कम स्थान में विभिन्न प्रजातियों के देशी पौधे लगाए जाते हैं। इसमें कम समय में घना, आत्मनिर्भर और जैव विविधता से भरपूर वन तैयार होता है। इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ वायु गुणवत्ता में सुधार, तापमान में कमी और पक्षियों व अन्य जीवों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध होगा। इस अभियान में वन विभाग बहादुरगढ़, एचएसवीपी, जैन सेवा मंडल, रॉबिन हुड आर्मी, श्याम जी गो सेवा समिति, सार्थक सेवा समिति, नीमा, संत निरंकारी सत्संग भवन, वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय, उड़ान सेवा समिति और क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट सहित कई सामाजिक संस्थाएं व स्वयंसेवी संगठन भागीदारी करेंगे। पर्यावरण प्रेमियों ने शहरवासियों से परिवार सहित अभियान में शामिल होकर पौधारोपण करने की अपील की है। वजीर सिंह दहिया व प्रदीप रेढू के अनुसार पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सामूहिक प्रयासों से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

यहां विकसित किया जाएगा जंगल।

फर्जी रिलीज डीड से जमीन हड़पने का आरोप लगाया

बहादुरगढ़। रोहतक जिले के एक किसान ने करीब डेढ़ एकड़ भूमि को फर्जी रिलीज डीड के जरिये हड़पने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। आरोप ममेरे भाइयों और उनके बेटों पर है। पुलिस जांच कर रही है। रोहतक जिले के निवासी करीब 75 वर्षीय अनूप सिंह ने शिकायत दी है कि डाबोदा कलां गांव में माता के उत्तराधिकारी के रूप में नाना की मृत्यु के बाद विरासत में जमीन मिली थी। रिश्तेदारों ने मिलीभगत कर मेरी जानकारी और सहमति के बिना वर्ष 2022 में रिलीज डीड तैयार करवा ली। हमें इस धोखाधड़ी की जानकारी 23 दिसंबर 2025 को तब मिली, जब बेटा जमीन देखने गया। रिलीज डीड में 2 व्यक्तियों ने झूठी गवाही दी है। बाद में 2023 में वह जमीन आरोपी पक्ष के अन्य सदस्यों के नाम भी स्थानांतरित कर दी गई। बकौल अनूप सिंह, वह हमेशा दस्तावेजों पर हिंदी में हस्ताक्षर करते हैं और अंगूठे का निशान इस्तेमाल नहीं करते, जबकि विवादित दस्तावेज में अंगूठे का निशान लगाया गया है। जब हमने हक मांगा तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी।

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।
शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

एसआईआर में पुरानी मतदाता सूची बनी बड़ी बाधा

डाटा मिसमैच बताकर आवेदनों को अस्वीकार कर रहा सॉफ्टवेयर

वर्षों पहले बनी मतदाता सूचियों में अनेक मतदाताओं के पूरे नाम नहीं है दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसआईआर अभियान के दौरान पुरानी मतदाता सूची में दर्ज नामों की त्रुटियां अब मतदाताओं के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रही हैं। वर्षों पहले बनी मतदाता सूचियों में अनेक मतदाताओं के पूरे नाम दर्ज नहीं किए गए थे। जबकि नई मतदाता सूची ताजा एवं संपूर्ण जानकारी के साथ अपडेटिड है। परिणामस्वरूप सॉफ्टवेयर डाटा मिसमैच बताकर आवेदन अस्वीकार कर रहा है।

दरअसल, वर्ष 2002 में हुई एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान इतनी तकनीकी नहीं थी। बीएलओ मौखिक जानकारी के आधार पर फार्म-6 भर देते थे, जिससे कई मामलों में पूरा नाम दर्ज होने के बजाय केवल पहला नाम ही मतदाता सूची में शामिल हो गया। यही नाम वर्षों से मतदाता सूची में दर्ज रहा। अधिकांश मतदाताओं के स्वयं अथवा पिता के नाम का केवल पहला भाग ही लिखा गया है, जबकि उपनाम (सरनेम) और नाम का दूसरा या तीसरा हिस्सा दर्ज नहीं है। समय के साथ मतदाता सूची में अपडेट हुई और मतदाताओं अथवा उनके रिश्तेदारों के उपनाम भी संशोधित हुए। अब पोर्टल दोनों का मिलान नहीं होने पर गणना फॉर्म को अस्वीकार कर रहा है। जिस कारण बीएलओ, बीएलए और मतदाताओं की परेशानियां बढ़ गई हैं। मतदाताओं का कहना है कि 2002 की मतदाता सूची में नामों की पुरानी विसंगतियों के कारण चुनाव आयोग के पोर्टल पर नामों का मिलान नहीं हो पा रहा है। यदि मतदाता के रिश्तेदारों की डिटेल और वोटर आईडी कार्ड का संज्ञान लिया जाए तो अधिकांश मामलों में डाटा मिसमैच की समस्या स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बहादुरगढ़। एसआईआर के तहत फॉर्म भरने में व्यस्त बीएलओ।

2002 में नहीं होता था डिजिटल सत्यापन

पूर्व पार्षद गुरदेव राठी का कहना है कि पहले बीएलओ स्थानीय लोगों की जानकारी के आधार पर नाम दर्ज कर लेते थे। उस समय दस्तावेजों का डिजिटल सत्यापन नहीं होता था। अब एसआईआर के तहत दस्तावेजों का ऑनलाइन मिलान किया जा रहा है, जिससे पुरानी त्रुटियां सामने आ रही हैं। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए व्यावहारिक व्यवस्था लागू करने की मांग की।

अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

पार्षद रमन यादव बताते हैं कि यदि किसी व्यक्ति का नाम 2002 की मतदाता सूची में केवल सतबीर ही दर्ज कर दिया गया। जबकि वर्तमान मतदाता सूची में उसका नाम सतबीर सिंह है, तो ऐसे में पोर्टल पर अक्षरों का मिलान नहीं होने से आवेदन स्वीकार नहीं हो रहा और मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया में अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

झज्जर। डिजिटाइजेशन कार्य की मॉनीटरिंग करते हुए एसडीएम रेणुका नांदल।

73 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन का कार्य पूरा

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूचियों के एसआईआर अभियान के तहत गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य प्रभावी रूप से चल रहा है। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत डिजिटाइजेशन कार्य की चरणबद्ध तरीके से मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी ईआरओ और एडिशनल ईआरओ निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि झज्जर, बेरी, बादली व बहादुरगढ़ के ईआरओ नियमित रूप से बीएलओ से अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा के साथ साथ गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को तत्काल निपटने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जिले में 73 प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा हो चुका है।

ऑनलाइन सुविधा अपनाकर समय बचाएं

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चल रही एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत वोटर से हस्ताक्षरयुक्त गणना प्रपत्रों का संग्रहण और डिजिटाइजेशन कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता 14 जुलाई का इंतजार न करें और आज ही अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ को जमा कर दें ताकि गणना प्रपत्र का तत्काल डिजिटाइजेशन किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों के ऐसे मतदाता जो अपने गणना प्रपत्र स्वयं ऑनलाइन भरने में सक्षम हैं, वे भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट **voters.eci.gov.in** पर जाकर ऑनलाइन एनमरेशन फॉर्म खुद भी भर सकते हैं।

सभी अधिकारी फील्ड में रहकर जल निकासी की निगरानी करें

कंट्रोल रूम एक्टिव, 01251-254270 नम्बर जारी

बरसाती मौसम में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बरसाती मौसम के दौरान कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करें तथा किसी भी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। यह निर्देश डीसी वर्षा खांगवाल ने दिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए निर्देश के तहत जिले में मानसून सीजन के दौरान व्यापक प्रबंध समय रहते सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की बैठक में कहा कि बरसाती मौसम के दौरान जल निकासी व्यवस्था हर समय सुचारू रहनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बरसात होने के तुरंत बाद जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन के दैनिक जीवन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने डीएमसी के अलावा झज्जर, बेरी, बहादुरगढ़ एवं बादली के एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जल निकासी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों की संयुक्त निरीक्षण टीमें गठित कर संवेदनशील एवं संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण उपायों के चलते लघु सचिवालय में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। जिसका नंबर 01251-254270 है।

गांव खरमाण से लापता बुजुर्ग का सुराग नहीं

बहादुरगढ़। गांव खरमाण का निवासी एक बुजुर्ग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। कई दिन बीत जाने के बाद भी उनका कुछ सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है।

खरमाण की निवासी शांति देवी का कहना है कि उसके पति करीब 72 वर्षीय कृष्ण कुछ दिन पहले घर से बाहर गए थे लेकिन वापस नहीं आए। तब से लेकर अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर ढूंढ चुके हैं लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, सदर थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ट्रेन से जान गंवाने वाली महिला की पहचान नहीं

बहादुरगढ़। जाखोदा के निकट ट्रेन की चपेट में आने से जान गंवाने वाली महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस लगातार जाखोदा व आसपास लगती बस्तियों में लोगों से पूछताछ कर रही है। दरअसल, शुक्रवार की सायं जाखोदा के निकट ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई थी। सूचना पाकर जीआरपी बहादुरगढ़ टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतका की उम्र करीब 28 वर्ष आंकी जा रही है। मौके से पहचान संबंधित कोई दस्तावेज या सामान बरामद नहीं हुआ। जांच अधिकारी उर्मिला के अनुसार, फिलहा शव को 72 घंटे के लिए अस्पताल में रखवाया गया है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

शुक्रवार की सायं जाखोदा के निकट ट्रेन की चपेट में आने से हुई थी महिला की मौत

विद्यार्थी की सफलता में अभिभावकों व शिक्षकों की होती समान भागीदारी

आदर्श वमावि में शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों की प्रगति को लेकर किया विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक में उपस्थित अभिभावक व शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादनपुर में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में काफी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेते हुए अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभवकों के साथ विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम, नियमित उपस्थिति, अनुशासन, गृहकार्य, व्यवहार एवं शैक्षणिक उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। प्राचार्य जयप्रकाश यादव ने कहा कि विद्यार्थी की सफलता में अभिभावकों और शिक्षकों की समान भागीदारी होती है। विद्यालय निदेशक अमित गहलावत ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और आत्मविश्वास का विकास करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन एवं अनुशासन का पालन करने का आह्वान किया।

झज्जर। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करते हुए निरीक्षक सतीश कुमार। फोटो: हरिभूमि

ग्रामीणों को किया साइबर सुरक्षा और डायल-112 के प्रति जागरूक

झज्जर। शनिवार को क्षेत्र के गांव वजीरपुर में नशा मुक्ति टीम द्वारा ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर सुरक्षा, डायल-112 के प्रति जागरूक किया। निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने लोगों से नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करने की अपील की। साथ ही डायल-112 आपातकालीन सेवा के महत्व की जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इस सेवा का उपयोग करें। इसके अलावा साइबर अपराधों से बचाव के लिए ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक और ओटीपी साझा न करने जैसी महत्वपूर्ण सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यशाला में शिक्षकों को किया लैंगिक भेदभाव समाप्त करने के लिए प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई के कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत जेंडर सेंसिटिविटी विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों में जेंडर सेंसिटिविटी के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा विद्यालयी वातावरण में किसी भी प्रकार के लैंगिक भेदभाव को समाप्त करते हुए प्रत्येक विद्यार्थी के लिए समान, सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करना था। सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन अनीता सिंह राणा व अनिल ने जेंडर सेंसिटिविटी के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक का दायित्व है कि वह प्रत्येक विद्यार्थी के साथ समानता, सम्मान एवं निष्पक्षता का व्यवहार करें। विद्यालय प्रबंधक केएम डागर ने कहा कि विद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र से नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों में जेंडर सेंसिटिविटी एवं समानता के मूल्यों को विकसित करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियों एवं नवाचारों का प्रभावी संचालन करेगा। इस मौके पर स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया, नीलम दहिया व प्राचार्या डॉक्टर निधि कादियान ने रिसोर्स पर्सन अनीता सिंह राणा व अनिल का आभार जताया।

झज्जर। कार्यशाला में शिक्षकों को संबोधित करते हुए रिसोर्स पर्सन। फोटो: हरिभूमि

कैंसर मरीजों की सहायतार्थ 33 युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में इंडेप्थ विजन फाउंडेशन एवं सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया द्वारा कैंसर मरीजों की सहायतार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एम्स बाढ़सा की टीम द्वारा रक्त संग्रह किया। इस दौरान 33 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसका उपयोग कैंसर मरीजों के उपचार में किया जाएगा। स्वयंसेवक अमन ने रक्तदाताओं को प्रशंसा-पत्र एवं बैज प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा में अपना योगदान देना चाहिए। इंडेप्थ विजन फाउंडेशन के निदेशक विकास कौशिक ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस हमें केवल जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूक नहीं करता, बल्कि बढ़ती आबादी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों पर भी विचार करने का अवसर प्रदान करता है।

शिक्षकों को दी तनाव प्रबंधन की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

एमआर सीनियर सेकेंडरी स्कूल हसनपुर में सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस गुरुग्राम के तत्वावधान में वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए तनाव प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सहवाग इंटरनेशनल स्कूल के सामाजिक विज्ञान विभागाध्यक्ष आकाश तथा रेवाड़ी के हरजीपुर से फ्रीलांस काउंसलर पूजा उपस्थित रहे। उन्होंने तनाव प्रबंधन की अवधारणाओं, विद्यालय एवं कक्षा में आने वाली विभिन्न चुनौतियों तथा उनके प्रभावी समाधान पर शिक्षकों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक रोचक, प्रभावी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए अनेक व्यावहारिक गतिविधियों, आधुनिक शिक्षण तकनीकों एवं नवाचारों को साझा करते हुए विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन तथा मानसिक स्वास्थ्य के विकास के महत्व पर बल दिया। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को नवीनतम शैक्षणिक तकनीकों एवं सीबीएसई द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए किए गए महत्वपूर्ण परिवर्तनों से भी अवगत कराया। प्राचार्या संगीता कोडान ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, तनाव नियंत्रण तथा प्रभावी कक्षा प्रबंधन के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध होते हैं।

शिक्षकों को बताया कक्षा शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का महत्व

झज्जर। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल विद्यालय भदाना में शनिवार को सीबीपी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कक्षा शिक्षण में उपयोग विषय पर आधारित इस प्रशिक्षण में 60 शिक्षकों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञ डिंपी आहूजा एवं पारुल शर्मा ने शिक्षकों को कक्षा शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभावी एवं उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण साधनों, पाठ योजना निर्माण, प्रश्नपत्र तैयार करने तथा विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं रोचक बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून ने दोनों विशेषज्ञों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नवीन तकनीकों एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विद्यार्थियों को मिलेगा एआई टूल्स सीखने का मौका

झज्जर। चौधरी रणबीर सिंह स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षण व प्लेसमेंट प्रकोष्ठ तथा अनुदीप फाउंडेशन फॉर सोशल वेलफेयर के सहयोग से वेब डिजाइनिंग विद एआई विषय पर एक माह का निःशुल्क इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू किया गया है। संस्थान के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 81 विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थान निदेशक एवं प्राचार्य डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों का ज्ञान युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर खोल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आह्वान किया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेषज्ञों ने साझा किए अपने विचार

जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरूकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विश्व जनसंख्या दिवस की शुरुआत वर्ष 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की गवर्निंग काउंसिल की पहल पर की गई थी। शनिवार को इस अवसर पर विशेषज्ञों ने स्वीकारा कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या देश के संसाधनों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रही है। ऐसे में जनसंख्या संतुलन बनाए रखने के लिए परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

बेहतर जीवन स्तर के लिए छोटा परिवार जरूरीः डॉ. ममता चौधरी

डॉ. ममता चौधरी के अनुसार छोटा परिवार न केवल बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करता है, बल्कि बच्चों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य भी प्रदान करता है। उनके अनुसार आमजन को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों, सुरक्षित मातृत्व, महिलाओं के स्वास्थ्य, किशोर-किशोरियों में जागरूकता तथा विवाह की उचित आयु के बारे में जानकारी होनी चाहिए। जनसंख्या वृद्धि के अनुरूप संसाधनों का विकास नहीं हुआ, तो सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां और गंभीर हो सकती हैं।

जनसंख्या नियंत्रण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं

डॉ. ज्योति का मानना है कि जनसंख्या नियंत्रण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। प्रत्येक दंपति को परिस्थितियों और स्वास्थ्य के अनुरूप परिवार नियोजन से संबंधित निर्णय लेने का अधिकार और आवश्यक जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, लैंगिक समानता और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच को जनसंख्या स्थिरीकरण का महत्वपूर्ण आधार बताया।

संतुलित समाज के निर्माण में सभी से भागीदारी जरूरी

महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना सुपरवाइजर प्रीति के अनुसार जनसंख्या संबंधी भ्रांतियों को दूर करने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। कम उम्र में विवाह, किशोरावस्था में गर्भधारण और लैंगिक असमानता जैसी चुनौतियों से निपटना भी जनसंख्या से जुड़े व्यापक मुद्दों का हिस्सा है। उन्होंने स्वस्थ, शिक्षित और संतुलित समाज के निर्माण में सभी से सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाना भी महत्वपूर्ण है।

भाजपा नेता ने मुख्य अभियंता से की व्यवस्था सुधरवाने की मांग

बहादुरगढ़। भाजपा नेता जसबीर सैनी ने जनस्वास्थ्य एवं अभियात्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता दिनेश सैनी से मुलाकात कर बहादुरगढ़ में सीवर-पानी व्यवस्था की दुर्दशा की शिकायत की। पूर्व पार्षद बहादुरगढ़ की पानी-सीवर व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 117 करोड़ बजट दिए जाने के लिए आभार भी व्यक्त किया। साथ ही बहादुरगढ़ में पानी व सीवर की बदहाल हालत से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अधिकांश कॉलोनियों दूषित पेयजल आपूर्ति की जा रही है। सीवरेज व्यवस्था ठप है। जगह जगह गंदा पानी सड़कों पर भरा है।

मोहल्लावासियों ने नाला निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए

छावनी मोहल्ले में धीमी गति से चल रहा नाला निर्माण

बरसाती मौसम के कारण लोग हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के छावनी मोहल्ला में धीमी गति से चल रहा नाला निर्माण कार्य मोहल्लावासियों की चिंता का कारण बना है। पिछले करीब एक माह से अधिक समय से नाला निर्माण कार्य चल रहा है। लोगों का कहना है कि गुरुद्वारा से छावनी गेट तक करीब पांच सौ मीटर से अधिक लंबी दूरी में फैले इस क्षेत्र के एक तरफ का जो नाला बनाया गया है वह भी कहीं-कहीं बीच से छोड़ दिया गया है। दूसरी तरफ अभी आधे से कम हिस्से में ही नाला बना है। धीमी गति से नाला निर्माण के कारण जहां लोगों को आवागमन में परेशानी आ रही है वहीं वे बरसाती पानी निकासी को लेकर भी चिंचित हैं। लोगों को अपने घरों के सामने अस्थायी रास्ते बनाकर आवाजाही करनी पड़ रही है। मोहल्लावासियों ने नाला निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ठेकेदार द्वारा नाले की दीवारें उठाते समय नीचे दबे मलबे को हटाने के बजाय उसी के ऊपर निर्माण किया गया है, जिससे नाले की मजबूती प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम नजदीक है। यदि समय रहते नाला निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो बरसाती पानी जमा होने से क्षेत्र में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सिटी पल्स

झज्जर। छावनी क्षेत्र में चल रहा नाला निर्माण कार्य। फोटो : हरिभूमि

आवागमन में हो रही परेशानी

मोहल्ला निवासी रमेश कुमार ने कहा कि नाला निर्माण कार्य शुरू हुए काफी समय हो चुका है। उनके सामने बने नाले का काम भी कहीं-कहीं अधूरा है। रफ्तार धीमी होने के कारण उन्हें आने-जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर परिषद को चाहिए निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराकर उन्हें समस्या से छुटकारा दिलाए।

नींव खोदे बगैर उठाई दीवार

मुन्नी देवी ने बताया कि ठेकेदार कर्मचारियों द्वारा नींव खोदने की बजाय नाले में जमा मलबे के ऊपर ही दीवार खड़ी की जा रही है। यदि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया तो भविष्य में नाला क्षतिग्रस्त हो सकता है।

चोटिल होने का खतरा

राजेंद्र सिंह ने बताया कि घर के सामने रास्ता टूट जाने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। बरसात शुरू होने से पहले नाला तैयार नहीं हुआ तो जलभराव की समस्या बनेगी जिससे परेशानी अधिक बढ़ सकती है। उन्हें घर के बच्चों की निगरानी करनी पड़ रही है।

झज्जर। कंपनी प्रतिनिधियों व शिक्षकों के साथ उपस्थित मेगा जॉब फेयर में चयनित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मेगा जॉब फेयर में 460 विद्यार्थियों का चयन

झज्जर। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में शनिवार को मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया गया। जिसमें देश की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न प्रोफाइलों के लिए करीब आठ सौ विद्यार्थी साक्षात्कार देने पहुंचे, जिनमें से विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 460 विद्यार्थियों का चयन किया गया। संस्थान निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर अमन अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्लेसमेंट अधिकारी डॉक्टर हितांशु सलूजा, क्षितिज उपाध्याय और प्रवीन कुमार की सराहना की।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं।

अंग्रेजी भाषण स्पर्धा में कलाम सदन के विद्यार्थी प्रथम

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शुक्रवार को विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरसदनीय अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में नौवीं और दसवीं कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्या प्रीति राठी की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया, मॉडल संस्कृति स्कूल लडायन से अंग्रेजी प्राध्यापक धर्मवीर कुमार और एक्टिविटी इंचार्ज कमलेश ढिल्लों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। अंग्रेजी अध्यापिका नमिता जांगड़ा ने बताया कि कलाम सदन से वैशाली धनखड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, कलाम सदन से ही छात्रा चेतना ने द्वितीय और पटेल सदन से खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नौवीं कक्षा से रमन सदन की छात्रा सृष्टि प्रथम, पटेल सदन की हिमांशी द्वितीय और कलाम सदन से हेमा तृतीय रहीं। एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्म विश्वास, नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक मंच पर प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने का गुण विकसित करती है। इस दौरान एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया व सचिव विशाल नेहरा ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बिहार से 2 दिन पहले आए युवक की मौत

बहादुरगढ़। बिहार से यहां मजदूरी के लिए आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मौत के असल कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करा दी है। मृतक की पहचान करीब 21 वर्षीय मदन के रूप में हुई है। वह बिहार के सुपौल जिले से था। अस्पताल में मौजूद परिचितों के मुताबिक, सिर्फ 2 दिन पहले ही वह जीरी लगाने के लिए यहां गांव छुड़ानी में आया था। रात को खाना खाकर अपने परिचित के साथ सोया था। इसी दौरान रात करीब 12 बजे उसकी तबीयत बिगड़ गई। तबीयत अधिक खराब हुई तो उसे अस्पताल में लाया गया। जहां ईलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। मौत का असल कारण अभी स्पष्ट नहीं है। बादली थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पर्यावरण संरक्षण व नशा मुक्त भारत अभियान में हर नागरिक की सहभागिता जरूरी: राजेंद्र दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

समाज में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति और पर्यावरण असंतुलन को दूर करने के संकल्प के साथ स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन द्वारा अनाज मंडी परिसर में कार्यक्रम का आयोजन महंत राजेंद्र दास महाराज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंतर्गत दिव्य वाणी सत्संग, नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत साइकिल यात्रा तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि देश को स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण दोनों अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि आज युवा पीढ़ी नशे की चपेट में आकर अपना और अपने परिवार का भविष्य बर्बाद कर रही है। नशे से न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब होता है, बल्कि समाज में अपराध और पारिवारिक विघटन भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि पेड़ ही जीवन हैं।

बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जल संकट से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। इस अवसर पर स्वामी नितानंद मिशन फाउंडेशन के पदाधिकारियों, संतों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के साथ उपस्थित महंत राजेंद्र दास महाराज।

समझौता लागू नहीं हुआ तो बेमियादी आंदोलन की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

किला मोहल्ला स्थित पंजाबी कम्युनिटी सेंटर में नगरपालिका कर्मचारी संघ और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में समझौता लागू करवाओ, संगठन मजबूत बनाओ जिला स्तरीय रैली आयोजित की गई। इसमें बहादुरगढ़, झज्जर और बेरी से पहुंचे सफाई व दमकल कर्मचारियों ने भाग लिया।

नगर पालिका कर्मचारी संघ और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की रैली

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा व नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने आरोप लगाया कि सरकार ने 13 मई के समझौते में अग्निशमन विभाग के पालिका रोल पर कार्यरत अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करने, ठेका प्रथा समाप्त करने और अन्य सहमत मांगों को लागू करने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई आदेश जारी नहीं किए गए। यदि 5 अगस्त तक सभी आदेश जारी नहीं हुए तो 6 अगस्त से प्रस्तावित तीन दिवसीय राज्यव्यापी हड़ताल को अनिश्चितकालीन आंदोलन में बदल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में पालिका रोल, दैनिक वेतनभोगी तथा अग्निशमन विभाग के ड्राइवरों और फायरमैनों का नियमितीकरण, ठेका प्रथा समाप्त करना, ठेका व्यवस्था खत्म होने तक सभी ठेका कर्मचारियों को 30 हजार रुपये विशेष न्यूनतम वेतन देना, हड़ताल के दौरान हटाए गए एवं छंटनीग्रस्त कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति तथा समझौते की सभी शर्तों को लागू करना शामिल है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान राजेंद्र सिंह तुषामड़ ने की, जबकि संचालन झज्जर नगर परिषद इकाई के प्रधान शिवम ने किया। राज्य महासचिव मांगेराम, हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह, महासचिव गुलशन भारद्वाज, राजीव खत्री, जयप्रकाश, अरुण कुमार, सुनील चंडालिया, राजपाल, विजेंद्र सैनी, रविंद्र दलाल, प्रदीप सोलंकी, मुकेश मोरखी, नवीन डागर आदि ने भी विचार रखे।

न्यूज डायरी

झज्जर। ऑफलाइन काउंसलिंग में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

आईटीईपी कार्यक्रमों के लिए एडमिशन काउंसलिंग

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजूकेशन में चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों बीएससी बीएड व बीए बीएड के लिए चलाई जा रही दो दिवसीय ऑफलाइन काउंसलिंग शनिवार को संपन्न हो गई। संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल और प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि इसमें अभ्यर्थियों ने उत्साह से भाग लिया। हरियाणा प्रदेश के अलावा ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थियों ने इस प्रक्रिया में भाग लेते हुए एकीकृत कार्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया। एडमिशन कन्वीनर डॉक्टर रीना तक्षक ने बताया कि शेष रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ओपन काउंसलिंग आगामी 18 जुलाई को कॉलेज परिसर में आयोजित होगी।

बहादुरगढ़। वजीर राठी से पौधे लेकर जाते ट्रस्ट से जुड़े पर्यावरण प्रेमी।

वजीर राठी ने ट्रस्ट को सौंपे 200 पौधे

बहादुरगढ़। शहर में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे प्रयासों में सहयोग देते हुए पूर्व पार्षद वजीर राठी ने शनिवार को क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट को विभिन्न प्रजातियों के 200 पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए। इन पौधों का उपयोग रविवार को होने वाले मेगा पौधरोपण कार्यक्रम में किया जाएगा। पूर्व पार्षद वजीर सिंह राठी विगत कई वर्षों से पौधों को तैयार करके विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण के लिए निशुल्क उपलब्ध करवाते हैं। उन्होंने शनिवार को क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट को जामुन, आम, शहतूत, गूलर, नींबू, पीपल, बरगद आदि के 200 छायादार एवं फलदार पौधे दिए। वजीर दहिया और हरि शर्मा आदि ने कहा कि इन पौधों के रोपण से शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वजीर राठी ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए हर व्यक्ति को पौधा लगाकर उसकी देखभाल के लिए प्रेरित किया।

बहादुरगढ़। पार्क के बाहर लगा गंदगी का ढेर।

जहां होनी चाहिए स्वच्छता, वहीं डाली जा रही गंदगी

बहादुरगढ़। बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता जरूरी है, लेकिन हमारे यहां स्थिति विपरीत है। जहां स्वच्छता की दरकार है, वहीं पर गंदगी डाली जा रही है। बहादुरगढ़ में कई पार्कों के आसपास ऐसे हालात देखने को मिल सकते हैं। डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम (मेला ग्राउंड) वाले रोड पर बने पार्क के बाहर फैली गंदगी स्वच्छता के दावों को हवा हवाई साबित कर रही है। यहां मौजूद पार्क में हरियाली का लुत्फ उठाने और स्वास्थ्य लाभ के लिए लोग आते हैं, लेकिन कचरे और दुर्गंध से सामना करना पड़ता है। दरअसल, पार्क की दीवार के साथ सड़क किनारे काफी समय से गंदगी डाली जा रही है। विवेक ने कहा कि इस रोड पर एक बड़ा स्टेडियम और 2 सुंदर पार्क हैं। कायदे से यहां स्वच्छता पर जोर देना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। पार्कों के बाहर ही गंदगी डालने का स्थान बना दिया गया है।

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे लोग व उपस्थित चिकित्सक।

शिविर में ग्रामीणों का जांचा स्वास्थ्य

झज्जर। वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज रिसर्च एंड हॉस्पिटल गिरावड़ द्वारा क्षेत्र के गांव बिरड़ माजरा में शनिवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अस्पताल के मेडिसिन विभाग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंच कर अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉक्टर रजत गुप्ता व डॉक्टर शिवम सिंह ने बताया कि संस्थान के संस्थापक डॉक्टर नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य की उचित देखभाल से भी अवगत कराया गया। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा जरुरतमंद लोगों में जहां निःशुल्क दवाओं का वितरण किया वहीं उन्हें स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

मांडोठी में मनाया 10 बेटियों का जन्मदिन

बहादुरगढ़। मांडोठी आंगनवाड़ी केंद्र में बेटियों का जन्म मनाती महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गांव मांडोठी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में शनिवार को कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी बच्चों का वजन और लंबाई मापी गई। उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर की जांच की गई। अभिभावकों को बच्चों के संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर टीकाकरण और स्वच्छता के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना सुपरवाइजर प्रीति ने बेटियों का सम्मान करने, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति सजग रहने व समाज में कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों का विरोध करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान कनक, तनवी, दीक्षा व रिद्धी समेत 10 बालिकाओं का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्रामीण महिलाओं, अभिभावकों और बच्चों ने इन बेटियों को शुभकामनाएं दी। बेटियों को उपहार एवं शुभाशीष देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए परियोजना सुपरवाइजर प्रीति ने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की शान हैं। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसर उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बेटियों के संरक्षण, शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं,

बहादुरगढ़। आंबेडकर स्कूल में पौधे लगाते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

आंबेडकर स्कूल में लगाए पौधे

बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित आंबेडकर स्कूल में पौधरोपण किया गया। सभा प्रधान उमेद सिंह, हेडमास्टर रामानंद रंगा, सभा के उप प्रधान राजेश बामनिया, महासचिव सुभाष शर्मा व स्कूल मैनेजर करतार सिंह सिमार आदि ने टीचरों व बच्चों के साथ पौधरोपण किया। विद्यार्थियों को पौधों की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

ग्रुप-4 की खिलाड़ी हेतिका खत्री ने विभिन्न स्पर्धाओं में 5 स्वर्ण पदक जीते

जिला स्तरीय स्विमिंग चैंपियनशिप में दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी में स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में जिला स्तरीय स्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इसमें जिले के सैकड़ों तैराकों ने विभिन्न आयु वर्गों की स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर अपना दम दिखाया। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव अनिल खत्री ने बतौर मुख्य अतिथि तैराकों का उत्साहवर्धन किया। चैंपियनशिप में ग्रुप-4 की खिलाड़ी हेतिका खत्री ने विभिन्न स्पर्धाओं में 5 स्वर्ण पदक जीते।

ग्रुप-3 के खिलाड़ी वीर ने 5 गोल्ड मेडल जीते। जबकि सीनियर कैटेगरी में अतुल धनखड़ ने भी 5 स्वर्ण पदक हासिल किये। प्रतियोगिता के 100 मीटर मैंस इवेंट में अतुल धनखड़, 100 मीटर बैक स्ट्रोक इवेंट में ओरव भारद्वाज, 200 मीटर फ्री स्टाइल इवेंट में देव सांगवान, 50 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में ओरव देशवाल, गर्ल्स के 100 मीटर बैक स्ट्रोक इवेंट में पूर्वी सहरावत, 50 मीटर बैक स्ट्रोक इवेंट में नाविका हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते। अनिल खत्री ने मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर विजेताओं को सम्मानित किया। उनके अनुसार विजेता खिलाड़ियों को जयपुर में होने वाली नेशनल स्विमिंग चैंपियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसके लिए इन खिलाड़ियों को हरियाणा टीम के ट्रायल में हिस्सा लेना होगा।

इस अवसर पर विजय गहलोत, अनिल कादयान, संदीप कादयान, मंजू दहिया, हनुमान सिंह, बलवान कादयान, सत्यनारायण शर्मा और पदमपाल शर्मा मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। बेस्ट स्विमर हेतिका को सम्मानित करते अनिल खत्री। फोटो : हरिभूमि